17-11-2021

DT दीनार टाइम्स | कानपुर न्यूज | www.dinartimes.in | 5
कानपुर, बुधवार, 17 नवंबर 2021

बावर्ची
बावर्ची खिलाइये सबको रिझाइये
सोयाबीन रिफाइण्ड ऑयल
100% Pure
Mantora Oil Product Ltd. 26/49 Birhana Road Kanpur | fax : 0512-2310301 • e-mail : info@mantoragroup.com

साहस के साथ चुनौतियों का सामना करें

शुगर इंडस्ट्री के साथ मिलकर वैल्यू ऐडेड प्रोडक्ट पर फोकस करें

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के दीक्षांत समारोह में छात्र डिग्रियां पाकर खुश

डीटीएनएन

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के 50वें दीक्षांत समारोह का उद्घाटन पीयूष गोयल, कैबिनेट मंत्री, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, कपड़ा और उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किया गया छात्रों को बधाई देते हुए, पीयूष गोयल, कैबिनेट मंत्री, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, कपड़ा और उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार ने छात्रों को पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कड़ी मेहनत करने तथा सभी चुनौतियों का साहस के साथ सामना करने का आह्वान किया, ताकि संस्थान और देश को उन पर गर्व हो। चीनी उद्योग और राष्ट्र आप से नई सोच और सक्रिय दृष्टिकोण की अपेक्षा रखताहैं, पीयूष गोयल ने कहा । वर्ष भर काम करने के लिए नवीन उत्पादों को विकसित करने और चीनी कारखानों को कृषि-व्यापार परिसरों में परिवर्तित करने पर ध्यान देना आवश्यक होगा। इसके साथ ही हमें किसानों के हितों को भी ध्यान में रखना होगा क्योंकि वे इस उद्योग की रीढ़ हैं, उन्होंने कहा।साध्वी निरंजन ज्योति, राज्य मंत्री, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और ग्रामीण विकास विभाग, भारत सरकार इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुई। देवेंद्र सिंह च्भोलेच्, संसद सदस्य और सुबोध कुमार सिंह, संयुक्त सचिव (शर्करा और प्रशासन), भारत सरकार 1 ने भी समारोह की शोभा बढ़ाई।

450 छात्रों को फेलोशिप मिली

इस समारोह मे, शैक्षणिक वर्ष 2018-19 और 2019-20 के दौरान उत्तीर्ण 450 छात्रों को फेलोशिप, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। विभिन्न पुरस्कार और पदक यथा महात्मा गांधी स्मारक स्वर्ण पदक, सी.वी. सुब्बा राव गोल्ड मेडल, आईएसजीईसी गोल्ड मेडल, श्री जी फ्यूचर लीडरशिप अवार्ड, प्राज एक्सीलेंस अवार्ड और ग्लोबल केनसुगर सर्विसेज अवार्ड, मेधावी छात्रों को प्रदान किए गए। इनके अलावा, इस अवसर पर कई छात्रवृतिया जैसे, भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा), नेशनल फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज (एनएफसीएसएफ), एस.एन. गुंडू राव मेमोरियल, डॉ कृपाशंकर मेमोरियल और भगवंत देवी मेमोरियल छात्रवृत्ति, विभिन्न पाठ्यक्रमों में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को, साध्वी निरंजन ज्योति, राज्य मंत्री, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और ग्रामीण विकास विभाग, भारत सरकार द्वारा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रदान की गई।

सीमित संसाधनों के बाद भी महामारी के दौर में अच्छा काम किया

स्वागत भाषण में संस्थान के निदेशक, प्रो. नरेंद्र मोहन ने अकादमिक और अनुसंधान के बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए पर्याप्त बजटीय सहायता प्रदान करने के लिए मंत्रालय का आभार व्यक्त किया। कोरोना की चुनौतियों और कर्मचारियों की कमी के पश्चात भी, कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ संस्थान अपने कदम आगे बढ़ाते रहा तथा इसी दौरान कई चीनी उत्पादक देशों को अकादमिक और तकनीकी सहायता प्रदान करने के साथ ही वित्तीय वर्ष 2020-21 में सर्वकालिक उच्चतम राजस्व अर्जित किया

चीनी उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़

साध्वी निरंजन ज्योति, राज्य मंत्री, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने फैलोशिप स्नातकोत्तर डिप्लोमा और प्रमाण पत्र प्राप्तकर्ताओं को आशीर्वाद देते हुए संस्थान को चीनी और संबद्ध उद्योग के लिए निरंतर मूल्यवान सेवा के लिए बधाई दी। चीनी उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है और इसके प्रदर्शन का गन्ना किसानों के कल्याण पर सीधा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों द्वारा समर्थित एथनॉल उत्पादन की नई तकनीकों और मॉडलों के परिणामस्वरूप भारतीय चीनी उद्योग की स्थिति बेहतर हुई है और गन्ने के मूल्य बकाये में कमी आई है।

शुगर इंडस्ट्री को नई टेक्नोलॉजी पर फोकस करना होगा

देवेंद्र सिंह च्भोलेच्, संसद सदस्य ने भारतीय चीनी उद्योग के विकास में राष्ट्रीय चीनी संस्थान की भूमिका की सराहना करते हुए इच्छा व्यक्त की कि आने वाली पीढ़ी के प्रौद्योगिकीविदों और इंजीनियरों को चीनी उद्योग को च्आत्मनिर्भरच् बनाने के लिए नवीन तकनीकों का विकास करना चाहिए। अपने संबोधन में सुबोध कुमार सिंह, संयुक्त सचिव (शर्करा और प्रशासन), भारत सरकार ने छात्रों को बधाई दी और उन्हें चीनी उद्योग में तेजी > से बदलते तकनीकी परिदृश्य के लिए खुद को तैयार करने की सलाह दी, जो आर्थिक स्थिरता के लिए अब इथेनॉल और अन्य मूल्य वर्धित उत्पादों के उत्पादन की तलाश में है। दीक्षांत समारोह का संचालन परीक्षा नियंत्रक श्री ब्रजेश सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद प्रस्ताव शिक्षा प्रभारी श्री अशोक कुमार गर्ग ने किया।

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में आयोजित 50वें दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल व अवार्ड से सम्मानित छात्रों के साथ संयुक्त सचिव सुबोध कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति व अन्य। अमर उजाला

इथेनॉल से चमकेगी मिलों और किसानों की किस्मत : गोयल

एनएसआई के 50वें दीक्षांत में केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री का वर्चुअल संबोधन

बोले, वर्ष-2022 तक पेट्रोल में 10 और 2025 तक 20 फीसदी तक इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य

ऑनलाइन शामिल हुए कैबिनेट मंत्री पीयूष गोयल।

छात्र अभिषेक को गोल्ड मैडल देतीं साध्वी निरंजन ज्योति, सुबोध कुमार सिंह व निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन।

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) के 50वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि आने वाले वर्षों में इथेनॉल चीनी मिलों और किसानों की किस्मत बदल देगा। समारोह में वर्चुअल संबोधन दे रहे गोयल ने कहा कि अगले साल तक पेट्रोल में 10 फीसदी इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य रखा गया है। वर्ष-2025 तक इसे बढ़ाकर 20 फीसदी कर दिया जाएगा। इससे मिलों और किसान दोनों को फायदा होगा।

चॉकलेट की तरह मिठाइयों को नया स्वाद देने का भी सुझाव मेधावियों को दिए गए अवार्ड

संस्थान के विशेषज्ञों को उन्होंने सुझाव दिया कि चॉकलेट की तरह भारतीय मिठाइयों को नया स्वाद देकर विश्व बाजार में एक ब्रांड बनाएं। कहा कि ऐसी खेती करें, जिससे मिट्टी की सेहत बनी रहे और पानी की खपत कम हो। समारोह का आयोजन एनएसआई सभागार में हुआ। उन्होंने सबसे अधिक जोर गन्ना के सह उत्पादों और वैल्यू एडेड उत्पाद बनाने पर दिया। कहा कि चीनी उद्योग जीरो डिफेक्ट की ओर जाए। इस वक्त 70 लाख टन चीनी का निर्यात हो रहा है। विश्व स्तर पर हो रही मांग को पूरा करें। किसानों का 10 हजार छह सौ करोड़ बकाया था, लेकिन अब साढ़े तीन हजार करोड़ रुपये बकाया है। इसका भी भुगतान कर दिया जाएगा।

केंद्र और प्रदेश सरकार ने गन्ना किसानों के हित के लिए कार्य किया है। इस मौके पर केंद्रीय राज्यमंत्री निरंजन ज्योति ने कहा कि इथेनॉल से मिलों और किसानों के दिन बहुरेंगे। किसान घाटे में नहीं जा सकता। केंद्रीय संयुक्त सचिव सुबोध कुमार सिंह ने कहा कि इथेनॉल प्रोग्राम से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने इंस्टीट्यूट में हो रहे शोध कार्यों और प्रगति का ब्योरा दिया। समारोह में सत्र 2018-19 और 2019-20 के छात्रों को अवार्ड दिए गए।

डेढ़ साल में खोजा कचरे से सीएनजी का फार्मूला

कानपुर। द शुगर टेक्नोलॉजिस्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और शुगर प्लांट एंड मशीनरी के बिजनेस हेड संजय अवस्थी ने डेढ़ साल में गन्ने के कचरे से सीएनजी बनाने का फार्मूला खोज लिया। संजय एनएसआई के शोध छात्र रहे हैं। 50वें दीक्षांत समारोह में उन्हें फेलोशिप अवार्ड दिया गया। उन्होंने गन्ने के कचरे (जिसे प्रेसमेड कहते हैं), गन्ने के पत्ते, गोबर और मिल के उत्प्रवाह का कॉम्बिनेशन तैयार किया है। सवा दो सौ टन प्रेसमेड से चार टन सीएनजी बन जाती है। एनएसआई में रिसर्च करने के बाद उन्होंने यमुनानगर आदि स्थानों पर इस फार्मूले का उपयोग किया। (ब्यूरो)

चार अवार्ड खाते में किए

शुगर टेक्नोलॉजी के छात्र अभिषेक (सत्र वर्ष 2018-19) और अरुण कुमार (सत्र वर्ष 2019-20) ने चार अवार्ड अपने खाते में किए हैं। अभिषेक चौबेपुर के तातियागंज के रहने वाले हैं। उन्होंने बीएससी सीएसजेएमयू से किया है। इस वक्त वह श्रीराम इंडस्ट्रीज मेरठ में नौकरी कर रहे हैं। उनका पैकेज साढ़े तीन लाख रुपये सालाना का है। भविष्य में वह जॉब पर ही ध्यान केंद्रित करेंगे। वहीं अरुण कुमार बलहापारा घाटमपुर के रहने वाले हैं। इस वक्त वह डालमिया मिल्स सीतापुर में नौकरी कर रहे हैं। सीएसजेएमयू से बीएससी अरुण शोध कार्य करना चाहते हैं।

साधना को तीन अवार्ड

अल्कोहल टेक्नोलॉजी की डिग्री लेने वाली साधना मिश्रा इकलौती छात्रा रहीं, जिन्हें तीन अवार्ड मिले। वह सिधौली सीतापुर की रहने वाली हैं और उनकी ससुराल लखनऊ में है। वह सत्र वर्ष 2018-19 की छात्रा हैं। उन्होंने बताया कि वह नौकरी के साथ अपना शोध कार्य जारी रखेंगी।

इन छात्रों को दिया गया अवार्ड

शुगर टेक्नोलॉजी कोर्स

- अभिषेक और अरुण कुमार को महात्मा गांधी मेमोरियल अवार्ड, फाइनल वर्ष की मेरिट पर तीन हजार नेशनल फेड कोऑपरेटिव शुगर फैक्टरीज कैश अवार्ड, इस्जैक शुगर टेक्नोलॉजी एक्सीलेंस अवार्ड एवं गोल्ड मेडल और सीवी सुब्बाराव एक्सीलेंस 10 हजार कैश अवार्ड-मेडल।
- ललित मोहन और हिमांशु पांडेय को प्रथम वर्ष की मेरिट पर 14 हजार इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन कैश अवार्ड।
- विजय गौर और अनुज तिवारी को प्रथम वर्ष की मेरिट पर सात हजार कैश अवार्ड और 10 हजार कैश श्रीजी फ्यूचर लीडरशिप अवार्ड-ट्रॉफी।

शुगर इंजीनियरिंग

- अवनीश पाल और प्रशांत कुमार यादव को इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन का प्रथम वर्ष की मेरिट पर 11 हजार कैश अवार्ड।
- निखिल गुप्ता और अंकुर वर्मा को एसोसिएशन का छह हजार कैश अवार्ड (प्रथम वर्ष मेरिट)।
- निखिल गुप्ता और ऋषभ सिंह को श्रीजी फ्यूचर लीडरशिप का 10 हजार कैश अवार्ड और ट्रॉफी।
- शशांक और निखिल गुप्ता को इस्जैक शुगर इंजीनियरिंग एक्सीलेंस अवार्ड एंड गोल्ड मेडल।

अल्कोहल टेक्नोलॉजी

- साधना मिश्रा और अरुण यादव को शुगर मिल्स एसोसिएशन का फाइनल वर्ष की मेरिट पर 10 हजार कैश अवार्ड, 10 हजार कैश प्राज एक्सीलेंस अवार्ड और इस्जैक अल्कोहल टेक्नोलॉजी एक्सीलेंस अवार्ड एंड गोल्ड मेडल।
- शत्रुघ्न महतो और मंजीत कुमार को ग्लोबल केन शुगर सर्विसेज 10 हजार रुपये कैश अवार्ड (शुगर बॉयलिंग कोर्स की फाइनल वर्ष की मेरिट पर)।
- अमरनाथ और अखिल कुमार को ग्लोबल केन शुगर सर्विसेज 10 हजार रुपये कैश अवार्ड (क्वालिटी कंट्रोल कोर्स की फाइनल वर्ष की मेरिट पर)।
- देवेंद्र प्रताप सिंह और धर्मेंद्र वर्मा को ग्लोबल केन शुगर सर्विसेज 10 हजार रुपये कैश अवार्ड (शुगर इंजीनियरिंग सर्टिफिकेट कोर्स की फाइनल वर्ष की मेरिट पर)।

भड़के सांसद देवेंद्र सिंह भोले, कार्यक्रम छोड़ गए

भाजपा सांसद देवेंद्र सिंह भोले दीक्षांत समारोह से नाराज होकर चले गए। इंस्टीट्यूट के अधिकारी और कर्मचारी उन्हें मनाते रहे, लेकिन नहीं माने। अधिकारियों का कहना था कि राज्यमंत्री निरंजन ज्योति के गेस्टहाउस पहुंचने की सूचना पर निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन उन्हें रिसीव करने चले गए और दो अधिकारियों को सांसद को रिसीव करने की जिम्मेदारी दी। इस बीच, सांसद आ गए। अधिकारियों ने उन्हें बैठाया, लेकिन निदेशक का अगवानी के लिए न रहना सांसद को बुरा लग गया और लौट गए।

The government is taking every possible step to strengthen India's fig

'चॉकलेट की तरह विश्व में फेमस हो एनएसआई से बनीं मिठाइयां'

kanpur@inext.co.in

KANPUR (16 Nov): नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट को चॉकलेट की तरह गन्ने से निकलने वाले सह उत्पादों से स्पेशल मिठाइयां बनानी चाहिए. जो विश्व में फेमस हो. इसके सफल प्रयोग से विश्वस्तरीय मार्केट मिलेगा. यह बात केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के 50वें कॉन्वोकेशन में कही. वे समारोह में ऑनलाइन शामिल हुए थे. उन्होंने स्टूडेंट्स को उज्जवल भविष्य की कामना की.

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के 50वें कॉन्वोकेशन में ऑनलाइन शामिल हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, बोले इसके सफल प्रयोग से विश्व स्तरीय मार्केट मिलेगा

PICS: DAINIK JAGRAN INEXT

केंद्रीय राज्य मंत्री निरंजन ज्योति, संयुक्त सचिव सुबोध सिंह व निदेशक प्रो.नरेंद्र मोहन ने स्टूडेंट को सम्मानित किया.

एक्यो बिजनेस पर चले मिल्स

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में 50 लाख हेक्टेयर जमीन पर गन्ने की फसल की जा रही है. देश की शुगर मिल्स को एक्यो बिजनेस कॉम्पलेक्स की तरह पूरे साल चलाया जाना चाहिए. गन्ने से चीनी निकलने के बाद उससे बचने वाले सह उत्पादों से इनोवेटिव प्रोडक्ट बनाने चाहिए, जिससे पूरे साल काम की कमी न हो.

आलू व मक्का से भी एथेनॉल

केंद्रीय राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि एथेनॉल बनाने पर जोर दिया जा रहा है. लोगों को जानकारी नहीं है लेकिन गन्ने के अलावा आलू, मक्का और गेहूं भी एथेनॉल बनता है. अगर किसान इस क्षेत्र में काम करें तो उनकी आय बढ़ेगी. उन्होंने कहा कि डिपार्टमेंट अगले सप्ताह से अमृत महोत्सव मनाएगी.

विदेशों से किया समझौता

खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुबोध कुमार सिंह ने कहा कि विदेशों के शुगर इंस्टीट्यूट यहां से सुझाव ले रहे हैं. कई देशों के साथ समझौता किया गया है. एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने आभार व्यक्त किया.

बहू की सफलता से सास के छलके आंसू

हरदोई की रहने वाली साधना मिश्रा को तीन अवार्ड मिले. उनमें दो दस-दस हजार रुपये के नगद पुरस्कार है. केंद्रीय राज्य मंत्री से पदक और गोल्ड मेडल पाता देख सास गीता पांडे की आंखों से खुशी के आंसू छलक आए. सास ने कहा कि ऐसी बहू सभी को मिलनी चाहिए. बहू जो भी करना चाहेगी उसे प्रोत्साहित करेंगे. साधना ने इंडस्ट्रियल एल्कोहल टेक्नोलॉजी से कोर्स किया है. साधना ने बताया कि पिछले साल जून में ही सीतापुर निवासी में शादी हुई है. कैंपस प्लेसमेंट हुआ था लेकिन स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण ज्वाइन नहीं कर पाए. उनके पिता रामचंद्र मिश्र रोडवेज में कर्मचारी है.

रिसर्च पर रहेगा फोकस

मंधना निवासी अभिषेक कुमार को महात्मा गांधी स्वर्ण पदक व आईएसजीआरी स्वर्ण पदक मिला. अभिषेक ने बताया कि वे मेरठ में दीवाला शुगर मिल में जॉब कर रहे है. प्लेसमें 2018 में हुआ था. उनके पिता अनिल कुमार प्राइवेट जाब करते है और मां लक्ष्मी गृहणी हैं। वे शुगर पर बेहतर रिसर्च करना चाहते है.

नई वैराइयटी करेंगे तैयार

घाटमपुर निवत बल्हरापारा गांव निवासी अरुण कुमार ने बताया कि वह डालमिया भारत शुगर मिल रामगढ़ यूनिट में एग्जीक्यूटिव आफिसर हैं. उन्हें महात्मा गांधी, आईएसजीआईरी व रफ़ी सुब्बाराव स्वर्ण पदक दिया गया है. अब वह, एनएसआई से ही फैलोशिप करना चाहते हैं. इसके बाद शुगर की कई वैराइटी कैसे तैयार हो, इस पर शोध करेंगे.

इन स्टूडेंट्स को मिला पुरस्कार

ललित मोहन, हिमांशु पांडे, विजय गौर, अनुज तिवारी, अभिषेक, अरुण कुमार,अवनीश पाल, प्रशांत कुमार यादव, निखिल गुप्ता, अंकुर वर्मा, निखिल गुप्ता, ऋषभ सिंह, शशांक, साधना मिश्रा, अरुण यादव, शत्रुघ्न महतो, मंजीत कुमार, अमरनाथ, अखिल कुमार, देवेंद्र प्रताप सिंह, धर्मेंद्र वर्मा,

19 स्टूडेंट्स को मिले मेडल

19 पूर्व स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल, अवार्ड, ट्राफी व नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया. साथ ही संस्थान के तीन अधिकारियों व इफ्तेक कंपनी के बिजनेस हेड को फेलोशिप प्रदान की गई. कई छात्रों को एक साथ तीन से चार पुरस्कार तक मिले. स्टूडेंट्स काफी उत्साहित दिखे. कुल संस्थान के 450 स्टूडेंट्स को प्रमाण पत्र दिए गए. ये स्टूडेंट्स वर्ष 2018-19 और 2019-20 बैच के थे.

गुरुओं के नाम से बने स्मारक

KANPUR: उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी के उपाध्यक्ष सरदार गुरविंदर सिंह छाबड़ा के नेतृत्व में सिखों का एक प्रतिनिधिमंडल राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति से मिला. उन्होंने संसदीय क्षेत्र में हदगांव में गुरुओं के नाम से एक स्मारक बनाने की मांग की. हरिंदर पाल सिंह, परमजीत चंडोक, नीतू सिंह आदि रहे.

दीक्षांत में इन्हें मिली फैलोशिप : विवेक प्रताप सिंह, जूनियर टेक्निकल आफिसर, महेंद्र प्रताप सिंह, सीनियर टेक्निकल असिस्टेंट, संजय अवस्थी, एमडी, इस्जीक व अध्यक्ष शुगर टेक्नोलाजी एसोसिएशन आफ इंडिया, महेंद्र कुमार यादव, कनिष्ठ सहायक अधिकारी.

सांसद भोले नाराज

सांसद देवेन्द्र सिंह भोले को विशिष्ट अतिथि के तौर पर बुलाया गया था. सांसद समय से कैंपस पहुंचे, उन्होंने कहा कि निदेशक उनके पहुंचने की जानकारी के बावजूद उनसे मिलने तक नहीं आए . इसलिए वो नाराज होकर लौट गए. वो केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से इसकी शिकायत करेंगे.

---

the pioneer
LUCKNOW | THURSDAY | NOVEMBER 18, 2021

NSI passout students carry hope of sugar industry: Goyal

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Minister of State, Department of Food and Public Distribution and Rural Development, Sadhvi Niranjan Jyoti takes part in NSI 50th Convocation. Pioneer

Piyush Goyal, Cabinet Minister, Ministry of Commerce and Industry, Textile and Consumer Affairs, Food and PublicDistribution, while addressing the 50th convocation of the National Sugar Institute called upon the students to work hard with full devotion and commitment to face all the challenges with courage, so that the institution and the country may take pride. He said the passouts of this prestigious institution carry hope of the sugar industry and nation, thus, an out of box thinking and pro-active approach was expected from the generation which was going to take over in the coming times. He said it would be necessary to focus on developing innovative products and converting sugar factories into Agri-business Complexes for round the year working. He said along with this, one had to keep in mind the interest of the farmers because they were the backbone of the industry.

He said the time had arrived to ensure that the sugar industries were shaped into agri-business complexes and said this comprised of integrated industries and supportive facilities like storage, insurance, transportation, distribution of food and agricultural products. He said agri-business complexes can be termed as a set of factors with interrelated activities, necessary to produce and market agricultural products. He said the success of the individual companies in the ABC was increasingly determined by the success of an ABC as a whole. He said a conceptual framework was presented for the design and development of computer aided policy support systems and the presented methodology, called PLATO (Powerfull Logical Analysis Tool), was built on theory from various scientific disciplines: Operations Research, artificial intelligence, public policy theory, management science and social sciences.

Addressing the students Minister of State, Department of Food and Public Distribution and Rural Development, Sadhvi Niranjan Jyoti congratulated the institute for its continuous valuable service to sugar and allied industry. She said sugar industry was the back bone of rural economy and its performance had direct implication on the welfare of sugarcane farmers. She said the newer technologies and models of ethanol production duly supported by government policies had resulted into better performance of the Indian sugar industry and diminishing sugarcane price arrears.

Subhodh Kumar Singh, Joint Secretary (Sugar &Administration), congratulated the students and advised them for preparing themselves for fast changing technical scenario in the sugar industry which now looked for production of ethanol and other value added products for economic sustainability. He said currently, the continuous depletion of non-renewable resources of fuels and chemicals had promoted the research and development of different alternatives for the replacement of fossil resources as the feedstock of fuels and chemicals. He added that currently one of the most important biofuels in the current economy, was bioethanol, contributing to 65 per cent of the total biofuels production and its production was an attractive alternative because it would be produced using indigenous and native raw material, therefore, the socio-economic impact can be measured with the economic incomes and increase the quality of life of small and middle farmers.

In his welcome speech, Prof. Narendra Mohan, Director, NSI expressed gratitude to the ministry for providing adequate budgetary support to up-grade the academic and research infrastructure.

He said overcoming the challenges of corona and staff constraints, the institute continued marching ahead with many significant achievements including providing academic and technical support to many sugar producing countries and all time high revenue during the financial year 2020-21.

Devendra Singh 'Bhole', Member of Parliament, while lauding the role of National Sugar Institute in development of Indian sugar industry expressed hope that the upcoming generation of technologists and engineers would develop innovative technologies to make sugar industry 'Atmanirbhar'.

The vote of thanks was delivered by Ashok Kumar Garg. Later Fellowships, Post Graduate Diplomas and Certificates were awarded to 450 students who passed out during academic years 2018-19 and 2019-20. Various awards and medals, Mahatma Gandhi Memorial Gold Medal, C.V. Subba Rao Gold Medal, ISGEC Gold Medal, Shree Ji Future Leadership Award, Praj Excellence Award and Global Canesugar Services Award were conferred to meritorious students. Besides these, no. of scholarships, namely, Indian Sugar Mill Association (ISMA), National Federation of Co-operative Sugar Factories (NFCSF), S.N. Gundu Rao Memorial, Dr. Kripa Shankar Memorial and Bhagwanta Devi Memorial Scholarships were awarded top ranking students of various courses by Sadhvi Niranjan Jyoti.

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में विभिन्न पुरस्कार और पदक से मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

कानपुर (नगर छाया समाचार)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के 50वें दीक्षांत समारोह का उद्घाटन पीयूष गोयल कैबिनेट मंत्री, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, कपड़ा और उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किया गया। साध्वी निरंजन ज्योति, माननीय राज्य मंत्री, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और ग्रामीण विकास विभाग, भारत सरकार इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुई। देवेंद्र सिंह भोले, संसद सदस्य और सुबोध कुमार सिंह, संयुक्त सचिव (शर्करा और प्रशासन), भारत सरकार ने भी समारोह की शोभा बढ़ाई। इस समारोह मे, शैक्षणिक वर्ष 2018-19 और 2019-20 के दौरान उत्तीर्ण 450 छात्रों को फेलोशिप, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। विभिन्न पुरस्कार और पदक यथा महात्मा गांधी स्मारक स्वर्ण पदक, सी.वी. सुब्बा राव गोल्ड मेडल, आईएसजीईसी गोल्ड मेडल, जी फ्यूचर लीडरशिप अवार्ड, प्राज एक्सीलेंस अवार्ड और ग्लोबल कैनसुगर सर्विसेज अवार्ड, मेधावी छात्रों को प्रदान किए गए। इनके अलावा, इस अवसर पर कई छात्रवृतिया जैसे, भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा), नेशनल फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज (एनएफसीएसएफ), एस.एन. गुंडू राव मेमोरियल, डॉ कृपाशंकर मेमोरियल और भगवंत देवी मेमोरियल छात्रवृत्ति, विभिन्न पाठ्यक्रमों में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को, साध्वी निरंजन ज्योति, माननीय राज्य मंत्री, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और ग्रामीण विकास विभाग, भारत सरकार द्वारा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रदान की गई।

अपने स्वागत भाषण में संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने अकादमिक और अनुसंधान के बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए पर्याप्त बजटीय सहायता प्रदान करने के लिए मंत्रालय का आभार व्यक्त किया। कोरोना की चुनौतियों और कर्मचारियों की कमी के पशचात भी, कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ संस्थान अपने कदम आगे बढ़ाते रहा तथा इसी दौरान कई चीनी उत्पादक देशों को अकादमिक और तकनीकी सहायता प्रदान करने के साथ ही वित्तीय वर्ष 2020-21 में सर्वकालिक उच्चतम राजस्व अर्जित किया

अपने संबोधन में सुबोध कुमार सिंह, संयुक्त सचिव (शर्करा और प्रशासन), भारत सरकार ने छात्रों को बधाई दी और उन्हें चीनी उद्योग में तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य के लिए खुद को तैयार करने की सलाह दी, जो आर्थिक स्थिरता के लिए अब इथेनॉल और अन्य मूल्य वर्धित उत्पादों के उत्पादन की तलाश में है।

दीक्षांत समारोह का संचालन परीक्षा नियंत्रक ब्रजेश सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद प्रस्ताव शिक्षा प्रभारी अशोक कुमार गर्ग ने किया।

TIMES CITY

MUKHYAMANTRI ABHYUDAY YOJANA CLASSES TO BENEFIT STUDENTS | 3

facebook.com/TOILucknow
@TOILucknow
toilucknow@gmail.com

STUDENTS TABLET OR

Toppers capture glorious moments as NSI holds its 50th convocation

Union Min Inaugurates Event Virtually

TIMES NEWS NETWORK

Kanpur: National Sugar Institute (NSI), Kanpur on Tuesday observed its 50th Convocation ceremony in the presence of its meritorius students. Union Minister Piyush Goyal, also the cihef guest of the occasion, inaugurated the convocation virtually.

Excited after recieving their degrees and medals, students expressed that they had been longing for this day for a longtime, especially since the covid pandemic had brought an end to holding convocation event physically. They also posed for pictures and rejoiced with their peers. The institute had come alive due to the chirping of the students, fun and frolic.

Abhishek, Arun Kumar, Vijay Gaur, Anuj Tiwari, Nikhil Gupta, Shashank, Rishabh Singh, Sadhna Mishra, Arun Kumar Yadav, Shatughan Mahto, Manjit Kumar, Devendra Pratap Singh, Dharmendra Verma, Amarnath, Akhil Kumar, Vivek Pratap Singh, Mahendra Pratap Singh, Sanjay Awasthi and Mahendra Kumar Yadav were some of the students who bagged the top awards from the institute's side on their convocation day.

Sadhvi Niranjan Jyoti, Minister of State, Department of Food and Public Distribution and Rural Development, (GoI) graced the occasion as Guest of Honour. Devendra Singh Bhole, Member of Parliament, and Subhodh Kumar Singh, Joint Secretary (Sugar and Administration), also graced the function.

Toppers with their degrees and certificates at NSI convocation

Fellowships, post-graduate diplomas and certificates were awarded to 450 students passed out during academic years 2018-19 and 2019-20. Various awards and medals including, Mahatma Gandhi Memorial Gold Medal, CV Subba Rao Gold Medal, ISGEC Gold Medal, Shree Ji Future Leadership Award, Praj Excellence Award and Global Canesugar Services Award were conferred on meritorious students.

Besides these, a number of scholarships, namely, Indian Sugar Mill Association (ISMA), National Federation of Co-operative Sugar Factories (NFCSF), SN Gundu Rao Memorial, Dr Kripa Shankar Memorial and Bhagwanta Devi Memorial Scholarships were awarded to top ranking students of various courses by Sadhvi Niranjan Jyoti, in the presence of other dignitaries.

In his welcome speech, Director NSI, Professor Narendra Mohan expressed gratitude to the ministry for providing adequate budgetary support to up-grade the academic and research infrastructure. Overcoming the challenges of corona and staff constraints, the institute continued marching ahead with many significant achievements, including providing academic and technical support to many sugar producing countries and all time high revenue during the financial year 2020-21.

While congratulating the students, Union Minister Piyush Goyal called upon the students to work hard with full devotion and commitment to face all the challenges with courage, so that the institution and the country may feel proud of them. "You carry the hope of the sugar industry and nation, thus, an out of box thinking and pro-active approach is expected from the generation going to take over," he said.

It would be necessary to focus on developing innovative products and converting sugar factories into Agri-business complexes for round the year working. Along with this, we have to keep in mind the interest of the farmers because they are the backbone of this industry, he said.

Sadhvi Niranjan Jyoti while blessing the post graduate diploma and certificate recipients, also congratulated the institute for its continuous valuable service to sugar and allied industry. Sugar industry is the back bone of rural economy and its performance has direct implication on the welfare of sugarcane farmers. The newer technologies and models of ethanol production duly supported by government policies have resulted into better performance of the Indian sugar industry and diminishing sugarcane price arrears, she added.

Devendra Singh Bhole while lauding the role of National Sugar Institute in development of Indian Sugar Industry desired that upcoming generation of technologists and engineers should develop innovative technologies to make sugar industry 'Atmanirbhar' (self reliant).

In his address Subhodh Kumar Singh congratulated the students and advised them for preparing themselves for fast changing technical scenario in the sugar industry which now looks for production of ethanol and other value added products for economic sustainability.

The convocation ceremony was conducted by Brajesh Singh, controller of examination, while vote of thanks was proposed by Ashok Kumar Garg, education in-charge.